



# सियासत के हाथिये पर बसपा, दम तोड़ रहा हाथी छाप

- कभी दलित राजनीति का फलसफा लिखा, आज विदाई गीत लिख रही मायावती
- कमजोरियों को छिपाने के लिए ले रही अनाप-शनाप फैसले
- चुनावों में हार ही हार और अपनों से तकरार, अब क्या करेगी बहनजी

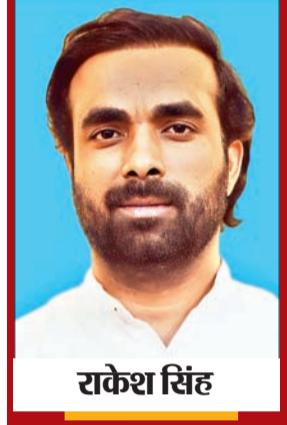
कभी देश की दलित राजनीति का चेहरा रहीं बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती इन दिनों पिंग चर्चा में हैं। दलित राजनीति के रथ पर सवार होकर वह यूपी की सत्ता और पार्टी, दोनों के शीर्ष पहुंचीं, लेकिन एक बार सत्ता से बाहर हुईं, तो तेजी से हाथिये पर पहुंच गयीं। सत्ता में थीं, तो मायावती दोलत पसंद बन गयीं। अपनी सारी जीतियों को उन्होंने दोलत बटोरने के लिए इर्द-गिर्द केंद्रित कर दिया, जिससे

दृढ़ स्वभाव की इस महिला नेत्री ने न केवल अकृत धन बटोरा, बल्कि अपनी पार्टी को भी खूब आगे बढ़ाया। लेकिन समय का चक्र ऐसा थुमा कि आज मायावती राजनीति के गैदान में उस मुकाम पर पहुंच गयी हैं,

## आजाद सिपाही विशेष

जहां से वह न तो खुद की वापसी करा सकती हैं और न ही उस बसपा को, जिसे कभी यूपी की सत्ता का मजबूत दावेदार माना जाता था।

मजबूत किया है, जिसके अनुसार लोक से हट कर बनाया गया कोई भी तंत्र अंतः पराजित ही होता है। मायावती ने बसपा को उस मुकाम पर पहुंचा दिया है, जहां से अब उसकी कहानी का अंतिम अंश यही लिखा जाना बाकी है। क्या है मायावती और बहुजन समाज पार्टी के इस हश्च का कारण और भारतीय राजनीति पर इसका क्या हो सकता है प्रभावी, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

आम तौर पर माना जाता है कि किसी राजनीतिक ताकत का अंत एक या दो पीढ़ी में नहीं होता, लेकिन यदि नीतियां और फैसले उस ताकत के नेतृत्व में गलत होने लगे, तो उसका अंत नजदीक होता है। लोकतंत्र में तो यह और भी सही है। उदाहरण समाज पार्टी और उसकी सुप्रीमो मायावती के रूप में। वहाँ, भाजपा के सम्बन्ध से सत्ता की राजनीति जबसे उन्होंने शुरू की, तब से मुस्लिम वोटर भी मजबूत प्रशासनिक आधार दिया, बसपा से उनकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भाजपा नेताओं की शह पर तेज हुई, तब से दलित समर्थक ओबीसी भी उनसे छिटकने लगे।

### कोर समर्थक ही छिटकने लगे

इसके अलावा, जब से समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव से उनकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भाजपा नेताओं की शह पर तेज हुई, तब से दलित समर्थक ओबीसी भी उनसे छिटकने लगे। वहाँ, भाजपा के सम्बन्ध से सत्ता की राजनीति जबसे उन्होंने शुरू की, तब से मुस्लिम वोटर भी मजबूत प्रशासनिक आधार दिया, बसपा से उनकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भाजपा नेताओं की शह पर तेज हुई, तब से दलित समर्थक ओबीसी भी उनसे छिटकने लगे।



क्षेत्रीय दलों के साथ घटबंधन की राजनीति करके उन्होंने खुद को तो मजबूत बनाने की बाल की, लेकिन उनकी अडियल और हठी रवैये के चलते उनकी पटरी किसी से नहीं बैठी और अब राजनीतिक मजबूरीवश वह बिल्कुल अकेले भी उनसे ईंध्या करने लगे। इन सब कारणों से बसपा का जनाधार छींजता चला गया। वहाँ, कभी नेताओं को मलाईदार पद दिये, जिससे दलित भी उनसे ईंध्या करने लगे। इन सब कारणों से बसपा का सहयोग से और एक बार अपने दम पर हासिल बहुमत से यूपी की मुख्यमंत्री बनने वाली मायावती, कभी कांगड़ा सदानों के देश की दलित राजनीति को एक भाजपा से मुस्लिम वोटर भी मजबूत प्रशासनिक आधार दिया। बसपा ने दलित राजनीति का नाम लेते हुए, क्योंकि मायावती ने परिवर्त और पार्टी से आगे की सोच-समझ उनमें विकसित ही नहीं हो सकी। दरअसल, बसपा के संस्थापक

### नीतियां-फैसलों ने किया नुकसान

तो जबाब यही होगा कि एक और उनका पारिवारिक प्रेम और दूसरी ओर भावनात्मक रूप से जुड़े नेताओं का कार्यकर्ताओं की

केंद्रीय दलों के साथ घटबंधन की राजनीति में अपने अच्छे-खास सांसदों के बल पर दबदबा रखने वाली मायावती अखिर इस सियासी दुर्दिन को कैसे प्राप्त हुई।

मौद्रिक कारणों से उपेक्षा। हालांकि जब तक वह इस बात उसी जिदी स्वभाव के चलते उनकी पार्टी और परिवार दोनों सांसदों और विधायिकों की संख्या न के बराबर है। इसे में उनके घर में और पार्टी में जो पारिवारिक कोहाराम मचा हुआ है, वह कोई नवी बात नहीं है। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में ऐसी घटावां घटी रहती है। हालांकि वह भी कड़ा सच है कि अपनी जिस

जिदी स्वभाव के चलते वह सियासत में खूब आगे बढ़ी, अब उसी जिदी स्वभाव के चलते उनकी पार्टी और परिवार दोनों सांसदों और विधायिकों की संख्या में तो मायावती ने दलितों को कदावर मुख्यमंत्री दिया, लेकिन बिहार आज तक उससे वंचित है। शायद इसलिए कि भाजपा-कांगड़ा ने अपनी सियासी हितों के लिए इहें भी आपस में लड़ाया और अपने इरादे में कामयाब रहे। काश! मायावती भी यह सबकुछ सम्पादित हो रही है। इससे प्रतिशत से गिरकर 12.88 प्रतिशत हो गया था। हालांकि, 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में बसपा को 19 सीटों पर जीत मिली थी।

### चुनाव दर चुनाव मिली हार

इस तरह अब लगभग वह तय हो गया है कि मायावती ने एक तरह से खुद को सक्रिय राजनीति से बाहर कर लिया है, जिससे उनके समर्थकों को भी यह अहसास हो गया है कि वह अब खुलकर राजनीति नहीं करने वाली है। मायावती के पास अब खुद को राजनीति से अलग रखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है।

## राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला मूलवासी सदानों को ग्राम प्रधान, अध्यक्ष बनाने की मांग



आंबोसी फर्जीवाड़ा सर्वेक्षण को रेकर्ड सही जनसंख्या आंकड़ा संगति कराने और परिसीमन कराने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता रांची। मूलवासी सदानों के जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया, बसपा ने दलित राजनीति का नाम लेते हुए, क्योंकि मायावती ने परिवर्त और पार्टी से आगे की सोच-समझ उनमें विकसित ही नहीं हो सकी। दरअसल, बसपा के संस्थापक

संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।

राजेंद्र प्रसाद ने राज्यपाल को बताया कि झारखण्ड में 74 प्रतिशत गैर आदिवासी हैं, जिसमें 65% प्रतिशत मूलवासी सदानों को जल-जंगल मजबूत प्रशासनिक आधार दिया जाना चाहिए। इसके तहत कराने की मांग की।



# झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन बजट 2025 पर हुई चर्चा ये सफर आसान नहीं, पर हौसले बुलाए हैं : हेमलाल मुर्मू



आजाद सिपाही संचारदाता

रात्री। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन बजट पर चर्चा के दौरान शेरो-शायरी का दौर चला। हेमलाल मुर्मू ने बजट के समर्थन में बोलते हुए कहा कि ऐतिहासिक और समावेशी बजट है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 13 फीसदी अधिक है। कहा... ये सफर आसान नहीं है, हौसले बुलाए हैं ज्ञारखंड के इस सफर में हम आगे हैं। इस पर सीधी सिंह गुलाम थे तो हम सब हिंदुस्तानी थे। आजादी ने हम सबको हिंदू मुसलमान बना दिया।

वही एक सवाल के जवाब में आमुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा है कि शराब पीकर पति घर आये तो उसे ठोक दो। मुर्मू ने बताया कि उनके क्षेत्र की महिलाएं फोन कर उनसे पूछती हैं कि उनका पति दाढ़ पीकर घर आया है, क्या उसे ठोक दें? वह उन्हें सुझाव देते हैं कि ठोक दो। उन्होंने कहा कि शराब से परिवार बवाद हो रहा है।

इस पर हेमलाल मुर्मू ने कहा कि... सफर में धूप तो हापी.. चल सको.. सभी हैं भीड़ में तुम निकल सको तो निकलो...। इस पर इफ्फान अंसारी ने कहा कि

राज्य सरकार झारखंड में शराब बेचा कर क्यों पति को पत्ती से पिटा है? डॉ नीरा यादव

सरयू राय ने प्रदूषण का मामला उठाया



इस पर भाजपा विधायक नीरा यादव ने चुटकी भी ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में शराब बेचा कर क्यों पति को पत्ती से पिटवा रही है। हेमलाल मंगलवार को विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन मंगलवार को अल्पसूचित, ताराकिंग प्रैन काल चला। शूर्यकाल की भी सूचनाएं ली गयी। जदयू विधायक सरयू राय ने श्रीपीएससीएल फ्लाइ एंश एवं प्रदूषण का मामला उठाया। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने तीन सत्रस्वीकृती कमेटी से जाच कानून की घोषणा की। इससे पहले मंगलवार को 11 बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही शुरू हुई।

## वित्त मंत्री के बयान पर विपक्ष की आपत्ति

आजाद सिपाही संचारदाता

रात्री। बजट भाषण में वित्त मंत्री के द्वारा राज्य के 80% बच्चे सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करने की बात कही थी। जिसपर जीजेपी विधायक नीरा यादव ने आपत्ति जताते हुए कहा कि निजी विद्यालय में जो इनसे बच्चे पढ़ रहे हैं और आगे भी चलता रहेंगे।

## अस्त्र का पलटवार

विपक्ष द्वारा उठाये जा रहे सवालों का जवाब देते हुए सत्ता पक्ष ने जमकर पलटवार किया है। विधायक अरुप चतर्जी ने धनबाद में मेडिकल कॉलेज और

टेलिनकल वूनिवर्सिटी का प्रस्ताव होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बजट में मईवां योजना के लिए किये गये प्रावधान से स्पष्ट हो गया है कि सरकार का फलेशियप्रोग्राम के रूप में यह है और आगे भी चलता रहेगा।

## शिल्पी नेहा तिर्की ने बजट की सराहना की

बजट की सराहना करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य के सभी वर्गों के लिए यह अनुआ बजट लाया गया है। जिसके माध्यम से विकास का काम होगा।

## राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

**मेष** परिव्रक्त-यात्रा से आवश्यक कार्य में उत्तराखणी नौकरी- लापां तें उन्नति।

**वृष** रोजी-दोली नियोगी खात लाइ के बलवानों से महाराष्ट्र काल बगेज।

**मिथुन** परिवर्तित में सुपर होग, लोकोप्त दाना ती प्राप्ति लोग, दूसरे आग्रह-इन्द्र ती प्राप्ति होगी।

**कर्क** कवित्र में राशी कार्य करने का अस्त्र, नियोग, गहरवाहा पूरी होगी।

**सिंह** स्थान प्राप्ति लोग, लैंडक लापां तो प्राप्ति लोग, बाबू ती बर्दी तालां तें उत्तराखणी की अपार्क।

**कन्या** लोकी तें उन्नति लोग, गहरवाहा कार्य पूरा होगा, अर्थव्यापार ताल, दूसरी तो सुख-शाति का बातारण रहेगा।

**तुला** परिवर्त तें गवाल लियो का बुद्धांग, नौकरी तें बदावा होने की अपार्क।

**वृद्धिक** तालां तो सुखद सानाव की प्राप्ति लोग, लैंडक लोगों तें उत्तराखणी की अपार्क।

**धनु** इजिज कार्य अपल लोग, गहरवाहा कार्य लोगों तो प्राप्ति होगी। इन प्रकल्प रहेगा।

**मकर** आर्थिक स्थिति में सुख-रोजाना, रोजाना-शुभ्राता की अपार्क लोगों तो लोकोप्त होगी।

**कुम्भ** शास्त्र वाता दिलानी ताल, इन्द्र-किंतु रात्यांस से लैंडिंग लोड, परिवर्त-यात्रा तो लोग होंगे।

**मीन** अनु-अन्योगी ती राता लोग, लोकोप्त दाना ती नियोग, शेषजलों के बलवानों तें नौकरी-रोजाना तें उन्नति होगी।

**देश-विदेश की खबरों के लिए विलक्ष करें**

www.azadsipahi.in

## नवचयनित

# 49 प्रतिक्रिया अधिकारियों

का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर

श्री संजय प्रसाद यादव

माननीय मंत्री, वित्त विभाग, वाणिज्य-कर्म विभाग,

योजना एवं विकास विभाग, संसदीय कार्य विभाग,

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं

कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग

दिनांक: 05 मार्च, 2025 | समय: 1 बजे अपराह्न

स्थान: प्रोजेक्ट भवन सभागार, धूर्वा, रांची

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार



P.R. 347805 (Labour Employment and Training) 24-25





# संपादकीय

## आम लड़कियों की सोचि

म हाराप्स के जलगांव से आयी एक केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता की नावालिंग बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर न केवल हैन बर्तान करती है, बल्कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल भी खड़े करती है। राज्य में ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। लोकिन महाराष्ट्र वाले मामले में कई ऐसे पहलू हैं, जो व्यवस्था में निवित गंभीर खामियों को आ संकेत करते हैं।

मंत्री थाने में : ध्यान देने की बात है कि बेटी के साथ कथित छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराने के द्वारा मंत्री खुद थाने पहुंचते हैं। लोकिन महाराष्ट्र वाले मामले में ऐसे पहलू हैं, जो व्यवस्था में निवित गंभीर खामियों को आ संकेत करते हैं।

इकलोती घटना नहीं : पुलिस-प्रशासन हालांकि केंद्रीय मंत्री द्वारा शिकायत दर्ज कराये जाने के बाद तत्परता से

देश के कोने-कोने से ऐसी छेड़छाड़ की खबरें आती रहती हैं और उससे कहीं ज्यादा के बारे नें तो पता भी नहीं चलता। ऐसे मामलों को देखने के लिए कानूनी सख्ती के साथ घर के अंदर भी पहल करनी होती।

आरोपी हैं, जो केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ पुलिस सुरक्षा के बावजूद छेड़छाड़ करते हैं। सवाल है कि पहली घटना के बाद प्रशासन ने सख्त कदम क्यों नहीं उठाया।

राजनीतिक जुड़ाव : मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के मुताबिक ये आरोपी किसी राजनीतिक दल से जुड़े हैं। हालांकि प्रशासन ने तकाल इस बात की पुष्टि नहीं की है। लोकिन अब ऐसा ही भी तो यह कहीं

'excuse' कैसे हो सकता है? आरोपी चाहे जो भी हों, उनके खिलाफ समय पर कानूनी के अनुरूप कड़ी कार्रवाई की राह में बाबा खाते हो सकती है?

समाज की संवेदनशीलता : कड़ी कानूनी कार्रवाई

अनिवार्य है, लोकिन मामला सिर्फ कानून व्यवस्था का नहीं है। प्रशासन की साख का भी है। समाज की

संवेदनशीलता का भी है। परिवार में लड़कों के पालन-

पोषण के तौर-तरीकों का भी है। देश के कोने-कोने से

ऐसी छेड़छाड़ की खबरें आती रहती हैं और उससे

कहीं ज्यादा के बारे में पता भी नहीं चलता। ऐसे

मामलों को रोकने के लिए कानूनी सख्ती के साथ घर के अंदर भी पहल करनी होती। लड़कों को कम उम्र से ही बताना होगा कि लड़कियों-स्त्रियों के साथ किस

तरह से पेश आना चाहिए।

### अभिमत आजाद सिपाही

फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन के ही अलग-अलग रूप हैं। भारत में मनोरंजन का बाजार दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। यह एक ऐसा बाजार है जो प्रधानमंत्री नेट्रो भोदी के भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के सपने को साकार करने में महाराष्ट्र सहित होती है। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री भोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस बात से अनभिज्ञ है। उसे भी पता है कि ऑडियो, वीडियो और एटरटेनमेंट का बाजार इतना बड़ा है कि इसमें बहुत कुछ किये जाने की संभावना है। इसलिए सरकार के स्तर पर इसके लिए प्रयास भी किये जा रहे हैं। केंद्र सरकार के सूचना प्रमुख खेत्रों में से एक शारीरिक वीडियो और मनोरंजन की बड़ी दुनिया में कदम उठाया जा रहा है। मंत्रालय द्वारा आगामी 1 से 4 मई तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट, यानी विश्व दृश्य-श्रव्य और मनोरंजन का सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जान किया जा रहा है कि वीडियो और एटरटेनमेंट का बड़ा दृश्य एवं विज्ञापन के बड़े-बड़े दिग्गज जुटेंगे। विचारों का आयोजन-प्रदान होगा। यह आयोजन एंटरटेनमेंट की बड़ी दुनिया में



प्रशंसन झा

अभिनेत्री विद्या बालन की एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन के ही अलग-अलग रूप हैं।

अभिनेत्री विद्या बालन की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल्म थी, डर्टी पिक्चर। इसका एक हाथ-फिल्म के बालती है, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट। अगर गहराई से इस पर सोचें, तो यह हकीकत भी है, लोग मनोरंजन के लिए ही तीन घटे फिल्म देखने जाते हैं। फिल्म की बात हो या फिर एनीमेटेड फिल्म की, टीवी सीरियल की बात हो या फिर वेब सीरीज की, खेल के मैदान की बात हो या फिर ऑनलाइन गेमिंग की, ये सभी एंटरटेनमेंट यानी मनोरंजन का बाजार के लिए एक चर्चित फिल











